शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

सौरव गांगुली 54वें जन्मदिन पर आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

दादा का पोस्टर देख द्रोलिंग की बौछार

Page-05

NEET-UG विवाद: संसद मार्च का ऐलान

जंतर-मंतर से उठेगी छात्रों की आवाज

NEET-UG परीक्षा में कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े छात्र हितों के मुद्दे को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। अभियान चला रहे संगठन CJP (कलेक्टिव जस्टिस प्रोजेक्ट) ने घोषणा की है कि 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के दिन जंतर-मंतर से संसद तक शांतिपूर्ण मार्च निकाला जाएगा। संगठन ने देशभर के छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और नागरिकों से इस मार्च में शामिल होकर छात्रों के लिए न्याय की मांग को मजबूत करने की अपील की है।इस आंदोलन में प्रसिद्ध शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल होंगे, जो 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वांगचुक ने सोशल मीडिया मंच X पर

जारी संदेश में कहा कि केवल शुभकामनाएं भेजने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को दिल्ली पहुंचकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने की अपील की।उनका कहना है कि संसद इस मुद्दे पर स्थायी समाधान निकालने का सबसे उपयुक्त मंच है और जनप्रतिनिधियों को इस विषय पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए।इधर, आंदोलन के दौरान एक नया विवाद भी सामने आया। CJP के संस्थापक अभिजीत दिपके ने X पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे दिल्ली पुलिस के जवानों से बहस करते दिखाई दे रहे हैं। दिपके का आरोप है कि भारी बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों को तिरपाल लगाने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि पुलिसकर्मी स्वयं वाटरप्रूफ टेंट के नीचे मौजूद थे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। फिलहाल, 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर तैयारियां तेज हैं और आंदोलनकारी बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद जता रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने UCC लागू करने के लिए सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को राज्य में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करने का मसौदा तैयार करने के लिए सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा में घोषणा करते हुए फडणवीस ने बताया कि इस पैनल में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर.सी. चव्हाण और एस.जी. मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि समिति छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कानून पेश करने की कोशिश करेंगे। संविधान में राज्य के नीति-निर्देशकों का ज़िक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि इसी के तहत, यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड लागू करने का खाका तैयार करने के लिए जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यों वाली एक कमिटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि समिति UCC से जुड़े सभी कानूनी, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जांच करेगी और छह महीने के भीतर राज्य सरकार को सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों के आधार पर यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार करेगी।

अवैध इमारतों पर SC का चाबुक अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए

देश भर में गैर-कानूनी और असुरक्षित इमारतों और ढांचों से जुड़े एक मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, पटना और तमिलनाडु में नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों के सीनियर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उनसे उन इमारतों के खिलाफ की गई कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, जिनसे सुरक्षा का गंभीर खतरा है। दिल्ली के साकेत में हाल ही में इमारत गिरने की दुखद घटना और दिल्ली के मालवीय नगर व लखनऊ के अलीगंज में आग लगने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कोर्ट के 20 मई के आदेशों के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी कोर्ट के सामने रखें। संबंधित अधिकारियों को 4 अगस्त को सुनवाई की अगली तारीख पर कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का भी निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने साकेत, मालवीय नगर और लाजपत नगर का तय समय-सीमा के भीतर ज़मीनी सर्वे करने के लिए IIT दिल्ली के दो सीनियर प्रोफेसरों और दो ड्राफ्ट्समैन की एक विशेष टीम बनाने का भी निर्देश दिया। इस टीम के साथ दिल्ली नगर निगम (MCD) के अधिकारी भी होंगे। सरोजिनी नगर में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जो नई दिल्ली नगर परिषद (NDMC) के अधिकार क्षेत्र में आता है।

ममता बनर्जी की पार्टी छोड़ तीन पूर्व सांसद बीजेपी के साथ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी की पार्टी छोड़ने और उच्च सदन से इस्तीफ़ा देने के कुछ हफ़्ते बाद, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बारिक गुरुवार को कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हो गए। सुष्मिता देव, जो 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुई थीं, पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं और राज्यसभा में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व किया। TMC में शामिल होने से पहले, वह असम के सिलचर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद थीं और उन्होंने 'ऑल इंडिया महिला कांग्रेस' का नेतृत्व भी किया था। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ संसदीय चेहरों में से एक, सुखेंदु शेखर रॉय 2011 से राज्यसभा में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और इससे पहले वे उच्च सदन में पार्टी के मुख्य व्हिप के तौर पर काम कर चुके थे। पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए उन्होंने जून की शुरुआत में संसद और TMC से इस्तीफा दे दिया था। 2023 में राज्यसभा पहुंचे प्रकाश चिक बारिक ने रे और देव के इस्तीफ़े के कुछ ही दिनों बाद अपर हाउस और तृणमूल कांग्रेस, दोनों से इस्तीफ़ा दे दिया। उस समय उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल की जनता के जनादेश को स्वीकार करने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ने का फ़ैसला किया। इन तीन नेताओं के इस्तीफ़े से राज्यसभा में सीटें खाली हो गईं, जिसके बाद चुनाव आयोग ने इन सीटों के लिए उपचुनाव कराने की घोषणा की। राज्य चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में बीजेपी के पास बहुमत है, इसलिए पार्टी की नज़र तीनों सीटें जीतने पर है। राज्य बीजेपी अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि 34 साल तक लेफ्ट फ्रंट का शासन रहा, उसके बाद तृणमूल कांग्रेस का शासन आया। पश्चिम बंगाल में इतने लंबे समय तक जो राजनीति चली, उसने हमारे संघीय ढांचे को नकारा और उसका विरोध किया; केंद्र के साथ सहयोग करने के बजाय टकराव का रास्ता अपनाया गया, जिससे सारा विकास रुक गया। इसी माहौल में, और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए, तीन सांसदों ने तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफ़ा दे दिया। आज, ये तीनों—सुष्मिता देव, प्रकाश चिक बारिक और सुखेंदु शेखर रॉय—भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं... ये तीनों सांसद दिग्गज नेता हैं और राज्यसभा में इनका काम सभी जानते हैं।

पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की

पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने गुरुवार को बैठक की और एकजुटता दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकतंत्र पर हमले के खिलाफ आवाज़ उठाएगी, साथ ही उन्होंने पार्टी के अंदर मतभेदों को भी माना। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के साथ-साथ पार्टी नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह, भारत भूषण आशु, गुरकीरत सिंह कोटली, वरिंदरमीत सिंह पाहड़ा और कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह शामिल हुए। बैठक के बाद रंधावा ने कहा कि इस बैठक से पार्टी में एकजुटता का संदेश गया है। रंधावा ने पत्रकारों से कहा, "आज परगट सिंह ने साफ संदेश दिया है कि भले ही विचारों में मतभेद हों, लेकिन कांग्रेस एकजुट है। चन्नी के साथ बैठक के बाद परगट सिंह ने कहा कि पार्टी आलाकमान को जानकारी दी गई है और अंदरूनी मामलों को सुलझाने की कोशिशें चल रही हैं। उन्होंने कहा पार्टी आलाकमान को सब पता है। हम मामलों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि इस बैठक से उनका हौसला बढ़ा है और नेताओं ने आगे की रणनीति पर चर्चा की है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आज सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह और अन्य कांग्रेस नेताओं ने बैठक की।

पंजाब में 10,000 से ज़्यादा नशा करने वालों को कानूनी कार्रवाई से छूट

आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पंजाब में 10,000 से ज़्यादा नशा करने वालों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट की धारा 64A के तहत कानूनी कार्रवाई से छूट दी गई है और उन्हें सरकारी नशा-मुक्ति केंद्रों में भर्ती कराया गया है। 1 मार्च, 2025 और 6 जुलाई, 2026 के बीच, नशीले पदार्थों का सेवन करने या निजी इस्तेमाल के लिए थोड़ी मात्रा में उन्हें रखने के आरोपी कुल 10,656 लोगों ने कानूनी कार्रवाई का सामना करने के बजाय स्वेच्छा से इलाज कराने का विकल्प चुना। इसी दौरान, पंजाब पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत 51,516 FIR दर्ज कीं और नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 67,519 लोगों को गिरफ्तार किया। सरकार ने कहा कि ये आंकड़े ड्रग्स के खिलाफ़ उसकी दोहरी रणनीति को

दिखाते हैं: एक तरफ़ सप्लायर्स के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करना और दूसरी तरफ़ ड्रग की लत को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या मानकर उसका इलाज करना। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि ड्रग्स के ख़िलाफ़ लड़ाई सिर्फ़ तस्करों को गिरफ़्तार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें लोगों को नशे की लत से बाहर निकलने में मदद करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के ख़िलाफ़ लड़ाई का मक़सद सिर्फ़ ड्रग्स बेचने वालों को गिरफ़्तार करना नहीं है, बल्कि नशे की लत में फँसे हर व्यक्ति को ठीक होने का उचित मौका देना भी है। हम पंजाब को नशे की लत से मुक्त करने और अपने युवाओं के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सख़्त कार्रवाई और सहानुभूति, दोनों को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मेलबर्न में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

बोले- विकसित भारत अब अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की ओर

भारतीय प्रवासी समुदाय के एक सदस्य ने कहा, 'मेलबर्न के बिल्कुल केंद्र में सचमुच इतिहास रचा जाने वाला है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, 'मैं आज बहुत उत्साहित हूँ, और मैं मोदी जी से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। मेलबर्न में मोदी से मुलाकात। एक अन्य सदस्य ने कहा,' मैं नरेंद्र मोदी जी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

आज का भारत विकसित भारत है, हम चांद से साउथ पोल तक पहुंचे हैं। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया इंडिया फाउंडेशन की मेजबानी में आयोजित मेगा कम्युनिटी प्रोग्राम 'मेलबर्न मीट्स मोदी' में 30,000 भारतीय प्रवासियों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति दुनिया ने देखी है। आपरेशन सिंदूर के दौरान डेमो तो देख ही लिया होगा, आतंकियों के अड्डों पर हुए धमाके पूरी दुनिया ने देखे हैं। उन्होंने घोषणा की कि भारत जल्द ही अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहा है। मोदी ने कहा कि भारत ने विकसित होने के लिए बहुत मेहनत की है। मोदी ने कहा कि हम दुनिया में प्रेम का रंग घोलते रहते हैं, भारत पासपोर्ट का रंग देख कर मदद नहीं करता है, नागरिक देवो भव हमारा मूल मंत्र है। सब सुखी रहें, यही भारत का संस्कार है। कार्यक्रम स्थल "मोदी, मोदी" और "भारत माता की जय" के नारों से गूंजता हुआ नजर आया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की, जिनके स्वागत में 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए गए। ये प्रवासी भारतीय ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में उपस्थित हुए थे। लोगों की तादाद की वजह से यह ऑस्ट्रेलिया में किसी भी विश्व नेता के लिए अब तक की सबसे बड़ी सभाओं में से एक बन गई है। मार्वल स्टेडियम को एतिहाद स्टेडियम या डॉकलैंड्स स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम में भारी भीड़ भारतीय प्रवासियों का उत्साह दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस अवसर पर पीएम मोदी का एक रॉक स्टार की तरह गर्मजोशी से स्वागत किया। अल्बनीज ने मार्वल स्टेडियम में एकत्रित भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी को दोनों देशों के बीच का "जिंदा पुल" करार दिया। कार्यक्रम में उपस्थित भारी जनसमूह के बीच दोनों नेताओं ने उपस्थित लोगों का हाथ हिला कर अभिवादन किया। कम्युनिटी प्रोग्राम के अलावा दोनों प्रधानमंत्रियों ने मेलबर्न में तीसरे 'भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन' की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। मेलबर्न का मार्वल स्टेडियम भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की भारी भीड़ से गुलजार है, जो प्रवासी भारतीय समुदाय के इस कार्यक्रम के लिए उमड़ी है। कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संगीत और उत्साहपूर्ण नारे भीड़ को ऊर्जावान बनाए हुए हैं क्योंकि हजारों लोग प्रधानमंत्री के मंच पर आने का इंतजार कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर भारतीय तिरंगे और ऑस्ट्रेलियाई ध्वज लहरा रहे हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत जनसंपर्क दर्शाते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय के कुछ सदस्यों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से पहले उत्सुकता व्यक्त की। 'मेलबर्न में मौसम भले ही ठंडा हो, लेकिन भारतीय समुदाय द्वारा किया गया गर्मजोशी भरा स्वागत वास्तव में यादगार था। भारत के प्रति उनका स्नेह और अटूट बंधन अपार खुशी और गर्व का स्रोत बना हुआ है,' प्रधानमंत्री मोदी ने X पर भारतीय समुदाय के इस स्नेहपूर्ण भाव के लिए धन्यवाद देते हुए पोस्ट किया।

बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में गृहयुद्ध जैसे हालात बन गए

पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में गृहयुद्ध जैसे हालात बन गए हैं। अवाम सड़कों पर है और निशाने पर हैं आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर। इसकी वजह बलूचिस्तान में बढ़ते विद्रोहियों के हमले हैं। पिछले पांच दिनों में अकेले बलूचिस्तान में हुए हमलों में 38 सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं। जब गुरुवार को उनके शव क्वेटा के सिविल अस्पताल पहुंचे तो उनके परिजनों का गुस्सा भड़क उठा। शोक में डूबे परिवारों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के साथ टकराव की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, क्वेटा सिविल अस्पताल के बाहर भारी भीड़ ने मारे गए सुरक्षाकर्मियों के शवों को जल्द से जल्द सौंपे जाने की गुहार लगाई। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी सेना और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने "आसिम मुनीर मुर्दाबाद" और "पाक फौज मुर्दाबाद" के नारे लगाए। जब मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तब दोनों ओर से धक्कामुक्की भी हुई। लोगों ने पुलिस की आक्रामकता का विरोध किया। हालात तब और ज्यादा खराब हो गए, तब सुरक्षाकर्मियों ने अस्पताल को अपने कब्जे में ले लिया और पीड़ित परिवारों को शवों को सौंपने से इनकार किया। सुरक्षाकर्मी शवों को परिवार वालों को सौंपने के बजाए उसे पुलिस लाइन ले जाने की जिद पर अड़े थे। इस पर मृतक सुरक्षाकर्मियों के परिवार वालों ने अस्पताल के मेन गेट को बंद कर दिया और धरने पर बैठ गए। उन्होंने सरकार और सेना विरोधी नारेबाजी की और मांग की कि जब तक शवों को सौंपा नहीं जाता, तब तक न तो अस्पताल के दरवाजे खुलेंगे और ना ही कोई अंदर से बाहर जाएगा।

AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा

पेट्रोल की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर होनी चाहिए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। केजरीवाल ने कहा कि जहां आम लोग 102 रुपये प्रति लीटर की दर से पेट्रोल खरीदने को मजबूर हैं, वहीं तेल कंपनियां भारी मुनाफा कमा रही हैं। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का सीधा फायदा जनता तक पहुंचाए और देश में पेट्रोल की कीमत तुरंत घटाकर 82 रुपये प्रति लीटर करे। केजरीवाल ने कहा, "2014 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार कम हो रही हैं। जब कच्चा तेल सस्ता हुआ है, तो भारत की आम जनता को इसका फायदा क्यों नहीं मिल रहा है? बताया जा रहा है कि सिर्फ पिछले साल ही देश की तेल कंपनियों को करीब 77,000 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। इसके बावजूद आम नागरिकों को 102 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल दिया जा रहा है, जो बहुत ज्यादा है।" एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चूंकि कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, इसलिए हमारे देश में भी पेट्रोल की कीमतें कम होनी चाहिए। हमारे हिसाब से भारत में पेट्रोल की कीमत लगभग 82 रुपये प्रति लीटर या उससे भी कम होनी चाहिए। 82 रुपये प्रति लीटर में शुद्ध पेट्रोल मिलना चाहिए, न कि E20 पेट्रोल। मैं बताता हूं कि हम इस आंकड़े तक कैसे पहुंचे। कच्चे तेल की मौजूदा कीमत लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल है, अगर इसे मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपये में बदलें, तो कच्चे तेल की लागत लगभग 42 रुपये प्रति लीटर आती है। केजरीवाल ने कहा कि इसके अलावा हमने बाकी सभी चार्ज वैसे ही रखे हैं, उनमें से किसी को भी कम नहीं किया है। इनमें रिफाइनिंग, OMC मार्जिन और ट्रांसपोर्ट का खर्च (9 रुपये प्रति लीटर), सेंट्रल टैक्स (12 रुपये प्रति लीटर), 25% का औसत राज्य VAT (16 रुपये प्रति लीटर) और डीलर कमीशन (3 रुपये प्रति लीटर) शामिल हैं। इन सबको जोड़ने पर शुद्ध पेट्रोल की कीमत लगभग 82 रुपये प्रति लीटर होनी चाहिए। अगर यह E20 पेट्रोल है, तो मेरा मानना है कि इसकी कीमत लगभग 70 रुपये प्रति लीटर होनी चाहिए, जबकि अभी यह लगभग 102 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

ट्रंप ने किया दावा

ईरान वॉशिंगटन के साथ डील करना चाहता है

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि ईरान वॉशिंगटन के साथ बेहद डील करना चाहता है, साथ ही उन्होंने तेहरान के डील का पालन करने की इच्छा पर संदेह भी जताया। यूनाइटेड किंगडम में RAF मिल्डेनहॉल में एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने ईरान पर सैन्य जीत का दावा किया और कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक के पास अब बहुत कम बचा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेनाओं द्वारा तेहरान के ख़िलाफ़ अतिरिक्त हमले शुरू करने के बाद ईरानी नेतृत्व ने डील करने के लिए फ़ोन किया। उन्होंने कहा हम पहले ही सैन्य रूप से जीत चुके हैं। उनके पास बहुत कम बचा है... उन्होंने कुछ देर पहले फ़ोन किया था। वे डील करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। मुझे बस यह नहीं पता कि क्या वे डील करने लायक हैं। मुझे नहीं पता कि वे डील का पालन करेंगे या नहीं। कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हमले और अमेरिका के साथ समझौता करने की उनकी इच्छा पर उठ रहे सवालों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि वे थोड़े सनकी हैं... वे थोड़े बेकाबू हो गए हैं। लेकिन वे डील करना चाहते हैं। बहुत बुरी तरह से। तेहरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों पर बात करते हुए - जिनके बारे में CENTCOM ने कहा था कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में नेविगेशन की आज़ादी के लिए ख़तरा पैदा करने की तेहरान की क्षमता को और कम करने के लिए किए गए थे। ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक को बहुत ज़ोरदार चोट पहुंची है। उन्होंने कमर्शियल शिपिंग और आम नागरिकों वाले क्रू पर हालिया हमलों के बाद 20-1 के स्कोर का दावा किया।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर लगे आरोप ?

गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा का नाम भी आया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका की ग्रैंड ज्यूरी ने लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है। चार्जशीट में दावा किया गया है कि जेल में रहने के बावजूद लॉरेंस बिश्नोई अपना गैंग चलाता रहा और उसका नेटवर्क कई देशों तक फैल गया। अमेरिका का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई का गैंग भारत, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया तक फैला हुआ था। आरोप है कि गैंग हत्या, गोलीबारी, रंगदारी, ड्रग्स तस्करी, अपहरण और मानव तस्करी जैसे अपराधों में शामिल था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई जेल से मोबाइल और इंटरनेट कॉलिंग के जरिए गैंग चलाता था। आरोप है कि गैंग सोशल मीडिया पर हिंसक घटनाओं की जिम्मेदारी लेकर लोगों में डर फैलाता था। अमेरिका का दावा है कि गैंग अमीर कारोबारियों और चर्चित लोगों को धमकाकर करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगता था। व्हाट्सऐप और वॉयस मैसेज के जरिए जान से मारने की

धमकियां दी जाती थी। आरोप है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग अमेरिका और कनाडा तक कोकीन, हेरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी करता था। जांच में यह भी दावा किया गया है कि गैंग दूसरे ड्रग्स गिरोहों से भी मादक पदार्थ लूटकर बेचता था। आरोप है कि पंजाब के गरीब और नाबालिग युवाओं को पैसे और शोहरत का लालच देकर गैंग में शामिल किया जाता था। गैंग के वफादार सदस्यों को कथित तौर पर अमेरिका और कनाडा भेजा जाता था। अमेरिका का दावा है कि गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा और अन्य आरोपी विदेशों में गैंग की गतिविधियां संभालते थे। अमेरिकी एजेंसियों ने गुप्त मुखबिर और अंडरकवर ऑपरेशन के जरिए कथित रंगदारी और ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया। चार्जशीट में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में कई कारोबारियों से लाखों डॉलर की रंगदारी मांगने का भी जिक्र है। अमेरिकी सरकार ने अदालत से आरोपियों की अपराध से जुड़ी संपत्ति, पैसा, हथियार और अन्य सामान जब्त करने की मांग की है।

संपादक की कलम से

मेलबर्न में आयोजित 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम केवल एक प्रवासी सम्मेलन नहीं था, बल्कि यह दुनिया भर में बसे भारतीय समुदाय के भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक भी था। हजारों प्रवासी भारतीयों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट किया कि भारत की वैश्विक छवि लगातार मजबूत हुई है और भारतीय समुदाय आज विश्व मंच पर देश की एक महत्वपूर्ण शक्ति बन चुका है। ऐसे आयोजन भारत की सॉफ्ट पावर को नई ऊर्जा देते हैं और द्विपक्षीय संबंधों को जनस्तर पर भी मजबूती प्रदान करते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विकसित भारत, अंतरिक्ष क्षेत्र में नई उपलब्धियों और भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का उल्लेख किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक, बुनियादी ढांचे और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल मिशन, वैश्विक मंचों पर बढ़ता प्रभाव और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम भारत की बदलती क्षमता को दर्शाते हैं। यदि भारत वास्तव में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में सफल होता है, तो यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।साथ ही, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों पर सहयोग बढ़ाने की सहमति दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा दे सकती है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विश्वसनीय साझेदारियों का महत्व लगातार बढ़ रहा है और भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा, निवेश और तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में भी दोनों देशों के पास व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।हालांकि, किसी भी बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में किए गए दावों और घोषणाओं की वास्तविक सफलता का आकलन उनके ठोस परिणामों से होगा। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब आर्थिक विकास के साथ रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वैज्ञानिक अनुसंधान और सामाजिक समावेशन भी समान गति से आगे बढ़ें। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ घरेलू चुनौतियों का प्रभावी समाधान भी उतना ही आवश्यक है।भारत आज एक ऐसे दौर में खड़ा है जहां उसकी वैश्विक पहचान लगातार मजबूत हो रही है। इस अवसर को स्थायी उपलब्धि में बदलने के लिए दूरदर्शी नीतियों, प्रभावी क्रियान्वयन और राष्ट्रीय एकजुटता की आवश्यकता होगी। यदि विकास की यह गति निरंतर बनी रहती है और उसके लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचते हैं, तो विकसित भारत का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं बल्कि आने वाले वर्षों की वास्तविकता बन सकता है।

गलवान से व्यापार तक
खड़गे ने सरकार की चीन नीति पर उठाए सवाल

गलवान घाटी संघर्ष के छह वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार की चीन नीति पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया है। उन्होंने दावा किया कि गलवान के बाद भारत की कई रणनीतिक और औद्योगिक जरूरतों के लिए चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ी है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 9 जुलाई को नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद के छह सालों में सरकार ने चीन के सामने भारत के हितों से समझौता किया है। उन्होंने कहा कि 2020 में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बावजूद, बीजिंग ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कई अहम क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण मज़बूत कर लिया है। X पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि गलवान झड़प के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, सोलर एनर्जी और ज़रूरी खनिजों जैसे उद्योगों में चीनी आयात पर भारत की बढ़ती निर्भरता सरकार की आर्थिक और रणनीतिक नीतियों की विफलता को दिखाती है। खरगे ने कहा कि 6 साल पहले, गलवान में हमारे 20 बहादुर सैनिकों की शहादत के बाद नरेंद्र मोदी ने चीन को 'क्लीन चिट' दे दी थी। हमारे बहादुर सैनिकों ने शहादत को चुना, लेकिन मोदी सरकार ने भारत के हितों को चीन के सामने सरेंडर कर दिया। उन्होंने इस टकराव के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के अहम सेक्टर में चीन के बढ़ते असर को दिखाने के लिए इंपोर्ट और ट्रेड के आंकड़े पेश किए। खरगे ने कहा ट्रेड: गलवान के बाद से, 2025-26 तक चीन से इंपोर्ट में 101.81% की भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे भारत का ट्रेड घाटा बढ़कर $112.1 बिलियन हो गया है। फार्मास्यूटिकल्स के बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के एंटीबायोटिक इंपोर्ट का 86% हिस्सा चीन से आता है। क्यों? 2024-25 में भारत के API, बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट इंपोर्ट का लगभग 74% हिस्सा चीन के पास था। इलेक्ट्रिक वाहनों पर खड़गे ने कहा कि EVs: भारत में EV के पार्ट्स का 66% आयात अभी भी चीन से होता है। भारतीय EVs में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75% लिथियम-आयन बैटरी आयात की जाती हैं, और इनमें से ज़्यादातर चीन से आती हैं। 2025-26 में भारत ने लगभग 93% परमानेंट मैग्नेट चीन से आयात किए। रिन्यूएबल एनर्जी के बारे में उन्होंने कहा कि सोलर पावर: सोलर एनर्जी पर मोदी सरकार की तमाम खोखली बातों के बावजूद, यह हैरानी की बात है कि 2025-26 में भारत के अनडिफ्यूज्ड सिलिकॉन वेफर आयात का 99% से ज़्यादा हिस्सा चीन ने सप्लाई किया। यह उस सेक्टर पर लगभग पूरी तरह कब्ज़ा है जिसे मोदी जी 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत बढ़ावा देने का दावा करते हैं। ये अनडिफ्यूज्ड सिलिकॉन वेफर ही हमारे सोलर सेल का आधार हैं। खरगे ने सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उसने चीन से जुड़ी चार कंपनियों को सरकारी बिजली परियोजनाओं के लिए बोली लगाने की इजाज़त देने के मकसद से पाबंदियों में ढील दी है। उन्होंने कहा कि अब मोदी सरकार ने अपने 'झूला दोस्त' के लिए रेड कार्पेट बिछा दिया है और चीन से जुड़ी चार कंपनियों को भारत की सरकारी बिजली परियोजनाओं के लिए बोली लगाने की इजाज़त देने के लिए पाबंदियों में ढील दी है।

सौरभ भारद्वाज ने रोहिणी में इमारत गिरने की घटना को लेकर, बीजेपी पर साधा निशाना

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी (AAP) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को रोहिणी में इमारत गिरने की घटना, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने ऐसी घटनाओं से निपटने में ज़रा भी जवाबदेही न होने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार सुरक्षा ऑडिट को सिर्फ़ दिखावा बना रही है और ज़िम्मेदार लोगों को बचा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में भारद्वाज ने कहा ज़रा भी जवाबदेही नहीं। रोहिणी में इमारत गिरने से मलबे के नीचे अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है और 3 लोग घायल हुए हैं। साकेत (सैदुलजाब) में इमारत गिरने की घटना से '4-इंजन वाली बीजेपी सरकार' ने क्या सीखा? उन्होंने आरोप लगाया कि BJP सरकार ने दिल्ली भर की इमारतों का सेफ्टी ऑडिट करने का दावा किया था, लेकिन ऐसी त्रासदियों को रोकने में नाकाम रही। भारद्वाज ने आरोप लगाया, BJP सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने दिल्ली की सभी इमारतों का सेफ्टी ऑडिट किया है और खतरनाक इमारतों की पहचान की है। ऐसा लगता है कि सरकार और MCD ने इस मौके का इस्तेमाल शहर के कारोबारियों पर दबाव बनाने और सेफ्टी ऑडिट के नाम पर भारी रिश्वत वसूलने के लिए किया। यह पूरी कवायद सिर्फ दिखावा थी। आप नेता ने आगे आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के बाद अक्सर निचले स्तर के अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाता है, जबकि वरिष्ठ अधिकारी जवाबदेही से बच जाते हैं। उन्होंने कहा हर बार जब ऐसी कोई घटना होती है और बेगुनाह लोगों की जान जाती है, तो BJP सरकार किसी JE/AE को सस्पेंड कर देती है। कुछ हफ़्तों में वे अपनी नौकरी पर वापस लौट आते हैं और सब कुछ पहले जैसा चलने लगता है। चाहे राम मंदिर का मामला हो, 650 करोड़ रुपये का हेल्थ स्कैम हो, इमारत गिरने या आग लगने की घटना हो, कार्रवाई सिर्फ़ छोटी मछलियों पर होती है। बड़ी मछलियों को सरकार का संरक्षण मिलता है।

शरद पवार और एकनाथ शिंदे की मुलाकात के बाद महाराष्ट्र का सियासी पारा चढ़ गया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की हालिया मुलाकात के बाद महाराष्ट्र का सियासी पारा चढ़ गया है। इस बैठक के बाद महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन तुतारी' की चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के राज्य सभा सांसद संजय राउत ने इस मुलाकात पर खुलकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता का उन लोगों के कार्यालय में जाकर बैठक करना, जिन्हें उनकी पार्टी 'गद्दार' मानती है, उनकी विश्वसनीयता को कमजोर करता है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार उनके लिए सम्मानित नेता हैं, लेकिन जिस एकनाथ शिंदे ने महाविकास आघाड़ी (MVA) सरकार गिराई, उनके दफ्तर में जाकर बैठक करना उचित नहीं था। उन्होंने सवाल उठाया कि विधान भवन में और कोई जगह नहीं थी, सामने ही राष्ट्रवादी भवन तथा वाईबी चव्हाण प्रतिष्ठान थे। राउत ने कहा कि शिवसेना (उद्धव गुट) कभी भी ऐसे नेताओं के दफ्तर में बैठक नहीं करेगी, जिन्हें वह 'गद्दार' मानती है। इस तरह के कदम से राष्ट्रवादी कांग्रेस की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ता है। राउत ने कहा कि यदि उनकी जगह वे होते तो कभी भी अजित पवार के कार्यालय में शिवसेना (यूबीटी) की बैठक नहीं करते, क्योंकि उनकी नजर में यह केवल बगावत नहीं बल्कि शरद पवार के साथ हुई गद्दारी है। उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी के सभी सहयोगी दलों को भी इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि शरद पवार कभी भी एनडीए में शामिल नहीं होंगे और उनकी विचारधारा पर उन्हें कोई संदेह नहीं है, लेकिन शिंदे से मुलाकात का तरीका शिवसेना उद्धव गुट को असहज करने वाला था। उद्धव ठाकरे के करीबी राउत ने आगे कहा कि यदि बड़े नेता 'गद्दारों' को लगातार राजनीतिक सम्मान देते रहेंगे तो महाराष्ट्र की राजनीति में गलत संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि जिसने अपने राजनीतिक परिवार के साथ विश्वासघात किया, उसे सम्मान देना उचित नहीं है। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी आज भी अपने 'गद्दारों' के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही है और भविष्य में भी ऐसे नेताओं के साथ किसी तरह की राजनीतिक बैठक या मंच साझा नहीं करेगी। उन्होंने दोहराया कि यह मुद्दा शिवसेना (यूबीटी) के लिए बेहद गंभीर है और पार्टी अपने सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करेगी।

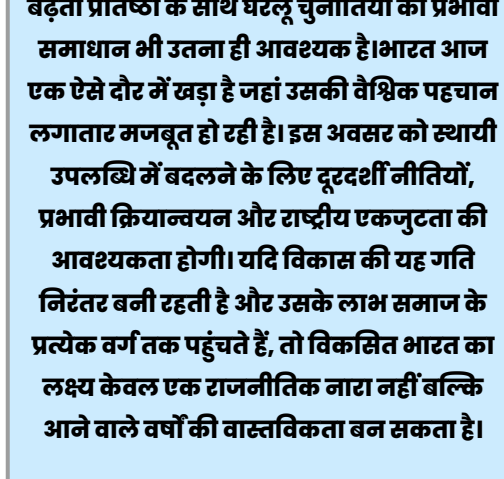

नीट यूजी री-एग्जाम का रिजल्ट जल्द

एमबीबीएस की 10 हजार तक सीटें बढ़ने की तैयारी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) जल्द ही नीट यूजी री-एग्जाम का रिजल्ट जारी करने वाली है। करीब 20 लाख से अधिक उम्मीदवारों को अपने रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार है। रिजल्ट जारी होने के बाद, मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया आसान और तेज की जाएगी। इसके अलावा एमबीबीएस सीटें भी बढ़ाई जा सकती हैं। मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट NEET (UG) 2026 का रिजल्ट 20 जुलाई 2026 तक जारी किया जा सकता है। इसके बाद देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू होगी। नीट रिजल्ट स्कोर के आधार पर मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (MCC) काउंसलिंग प्रक्रिया को पूरा करती है। सूत्रों का कहना है कि हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, नेशनल मेडिकल कमिशन और काउंसलिंग कमिटी की उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें काउंसलिंग प्रोसेस को सरल बनाने पर चर्चा हुई। यह तय किया गया है कि काउंसलिंग की प्रक्रिया को कम समय में पूरा किया जाएगा। इस बार नीट री-एग्जाम होने के कारण एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने में पहले ही देरी हो गई है, ऐसे में काउंसलिंग का शेड्यूल इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि नया सेशन शुरू होने में ज्यादा देरी न हो। रिजल्ट के आते ही शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। नीट यूजी के टेस्ट में 20 लाख उम्मीदवार शामिल हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि 2026-27 के लिए MBBS की कितनी सीटें होंगी, इसकी डिटेल करीब करीब तय हो गई है और अगले कुछ दिनों में एमबीबीएस सीट मैट्रिक्स (Seat Matrix) जारी कर दिया जाएगा। सूत्र बता रहे हैं कि नए सेशन में एमबीबीएस की सीटों में 8 से 10 हजार का इजाफा होगा। पिछले वर्ष एमबीबीएस की 1.29 लाख सीटें थी, जो इस बार बढ़कर 1.40 लाख तक हो सकती हैं। मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि NEET-UG एक कानूनी कॉमन एंट्रेंस एग्ज़ामिनेशन है, जिसे NMC एक्ट- 2019 की धारा 14 के तहत इस एक्ट और अन्य लागू कानूनों के दायरे में आने वाले सभी मेडिकल संस्थानों में अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन में एडमिशन के लिए शुरू किया गया था। जहां NMC, मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट से जुड़े कानूनी, रेगुलेटरी और पॉलिसी से जुड़े ढांचे को बनाने के लिए ज़िम्मेदार कानूनी अथॉरिटी है, वहीं NTA परीक्षा आयोजित करने वाली तय एजेंसी के तौर पर काम करती है, जिसे परीक्षा के ऑपरेशनल संचालन की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। NMC को योग्यता शर्तें, सिलेबस, कॉमन काउंसलिंग प्रक्रिया और एडमिशन क्राइटेरिया तय करने का अधिकार देता है।

अब आपको dMAT एग्जाम देना होगा, जो APS डॉक्यूमेंटेशन प्रोसेस का हिस्सा है

वर्ल्ड-क्लास यूनिवर्सिटीज, किफायती ट्यूशन फीस और बढ़िया करियर अवसर मुहैया कराने की वजह से जर्मनी भारतीय छात्रों के बीच एक पॉपुलर स्टडी अब्रॉड डेस्टिनेशन बन चुका है। हर साल हजारों भारतीय यहां मास्टर्स कोर्सेज में एडमिशन के लिए अप्लाई कर रहे हैं। इस वजह से एडमिशन को लेकर कॉम्पिटिशन भी काफी ज्यादा बढ़ गया है। इसे ध्यान में रखते हुए अब एक नया एग्जाम लाया गया है, जो मास्टर्स एडमिशन के लिए जरूरी होगा। जर्मनी की एकेडमिक इवैल्यूएशन सेंटर (APS) वेरिफिकेशन प्रक्रिया के तहत एक नया 'डिजिटल मास्टर असेसमेंट टेस्ट' (dMAT) अनिवार्य किया जा रहा है। APS इंडिया और g.a.s.t. ने मिलकर इस एग्जाम को पेश किया है। अगर आप 2027 में जर्मनी में एडमिशन लेना चाहते हैं, तो अब आपको dMAT एग्जाम देना होगा, जो APS डॉक्यूमेंटेशन प्रोसेस का हिस्सा है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस एग्जाम की तैयारी किस तरह करनी होगी और ये एग्जाम किसके लिए है। dMAT एग्जाम जर्मनी में एडमिशन के लिए अप्लाई करने वाले हर स्टूडेंट के लिए है। अभी ये कुछ खास कैटेगरी और कोर्सेज की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स पर ही लागू होता है। अगर आप इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, कॉमर्स, अकाउंटिंग, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन या मैनेजमेंट से जुड़ा मास्टर्स कोर्स करना चाहते हैं, तो फिर आपको इस एग्जाम को देना होगा। अब यहां सवाल उठता है कि भारतीय स्टूडेंट्स dMAT की तैयारी कैसे करें और इसके लिए रिसोर्स कहां मिलेंगे? YES Germany के फाउंडर और स्टडी अब्रॉड एक्सपर्ट डॉ. गगन स्याल से यही सवाल किया गया। नवभारतटाइम्स डॉट कॉम के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'APS इंडिया और g.a.s.t. द्वारा शुरू किया गया डिजिटल मास्टर टेस्ट (dMAT) उन भारतीय छात्रों के लिए नई प्रक्रिया है, जो जर्मनी में मास्टर्स की पढ़ाई करना चाहते हैं। यह परीक्षा अभी कुछ चुनिंदा छात्रों के लिए शुरू की गई है, इसलिए इसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।'

18 साल के खिलाड़ी अर्णव पापरकर ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का करने के साथ इतिहास रच दिया

सौरव गांगुली 54वें जन्मदिन पर आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल

ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने के एक दिन बाद भी भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को बधाईयाँ मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक गांगुली को बधाई देने वालों में महान बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर और वर्ल्ड कप विजेता ऑल-राउंडर युवराज सिंह सबसे आगे रहे। गांगुली को उनके 54वें जन्मदिन पर ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया; वे यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले कुल मिलाकर 12वें भारतीय और 10वें भारतीय पुरुष क्रिकेटर बने। X पर एक पोस्ट शेयर करते हुए, तेंदुलकर ने - जो गांगुली के लंबे समय तक ओपनिंग पार्टनर रहे और भारतीय क्रिकेट की सबसे बेहतरीन बैटिंग जोड़ियों में से एक का हिस्सा थे - लिखा कि 14 साल की उम्र से एक-दूसरे को जानने के बाद अब कोई खास हैरानी वाली बात नहीं बची है। यह भी उनमें से एक नहीं थी। बधाई हो सौरव गांगुली। आपको ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम में देखकर बहुत खुशी हुई! इस दिल को छू लेने वाले मैसेज का जवाब देते हुए गांगुली ने लिखा कि धन्यवाद चैंपियन... आपके साथ एक ही लिस्ट में शामिल होना सबसे बड़ी जॉब सैटिस्फैक्शन (काम से मिलने वाली संतुष्टि) है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह - जो उन कई खिलाड़ियों में से एक हैं जिनका इंटरनेशनल करियर गांगुली की कप्तानी में आगे बढ़ा - ने भी अपने पूर्व कप्तान को बधाई दी। युवराज ने X पर पोस्ट किया कि दादा, ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने पर आपको बधाई। आप इसके पूरी तरह से हकदार हैं! आपने सिर्फ़ एक टीम ही नहीं बनाई, बल्कि क्रिकेटरों की एक पीढ़ी में भरोसा भी जगाया। आपकी कप्तानी में खेलने और जीवन भर याद रहने वाली यादें बनाने के लिए मैं आभारी हूँ। एक बार फिर बधाई! बुधवार को इस सम्मान की पुष्टि होने के तुरंत बाद, गांगुली ने ICC और ICC चेयरमैन जय शाह का आभार व्यक्त किया था। ICC हॉल ऑफ़ फ़ेम की शुरुआत 2009 में संस्था की 100वीं सालगिरह के जश्न के दौरान हुई थी। यह उन खिलाड़ियों को सम्मान देता है जिन्होंने खेल में असाधारण योगदान दिया है।

बेन करन ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया

भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड के दौरे पर है। जहां पांच टी20 मैचों की सीरीज फिलवक्त जारी है। ये सीरीज खत्म होगी तो इंग्लैंड के ही खिलाफ तीन वनडे मैच भी खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। जहां तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के आगाज से पहले ही टीम इंडिया के लिए खतरे की घंटी बज गई है। जिम्बाब्वे सलामी बल्लेबाज बेन करन ने धमाकेदार सेंचुरी ठोककर टीम इंडिया के लिए टेंशन अभी से बढ़ा दी है। जिम्बाब्वे की टीम इस वक्त बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेल रही है। पहले मैच में कमाल का प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से मात दी थी। इसके बाद अब जब दूसरा मैच हुआ तो उसमें भी पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा स्कोर खड़ा किया है। इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज बेन करन ने शानदार शतक लगाया है। हालांकि पहले मैच में वे बड़ी पारी खेलने में कामयाब नहीं हो पाए थे। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में बेन करन ने केवल 122 बॉल पर अपना शतक पूरा कर लिया और जबरदस्त बल्लेबाजी का मुजायरा किया। सेंचुरी लगाने के बाद भी बेन रुके नहीं और अच्छी बल्लेबाजी करते रहे। यही वजह रही कि टीम ने अच्छा स्कोर बनाया। खास बात ये रही कि अपनी शतकीय पारी के दौरान बेन ने एक भी छक्का नहीं लगाया और चौके खूब ठोके, इसका मतलब है कि वे संयम से बल्लेबाजी कर रहे थे और जब भी मौका मिला, बॉल को बाउंड्री के बाहर भेजने का काम किया।

अश्विन का मानना है कि टी20 फॉर्मेट में दिमाग का फ्री होना बहुत जरूरी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैमसन को टीम में शामिल न करने पर तीखा जवाब दिया है। अश्विन ने इस फैसले को संजू के साथ सरासर नाइंसाफी बताया है और चेतावनी दी है कि ऐसे फैसलों से ड्रेसिंग रूम के अंदर खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है, जिससे पूरी टीम का माहौल खराब होगा। संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम की खिताबी जीत के हीरो रहे थे और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुना गया था। इसके बावजूद उन्हें पहले इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टी20 से ड्रॉप किया गया, और अब जिम्बाब्वे दौरे की टीम से भी बाहर कर दिया गया। हालांकि, बीसीसीआई (BCCI) के अधिकारियों का कहना है कि संजू को सिर्फ आराम (Rest) दिया गया है, लेकिन अश्विन इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खुलकर बोलते हुए कहा, 'मैं क्या कहूं? यह पूरी तरह से नाइंसाफी है। मैं इस फैसले से बिलकुल सहमत नहीं हूं। संजू को फॉर्म और कुछ मैचों की हार के चलते बाहर कर दिया गया है। अगर हम आगे भी मैच हारते हैं, तो क्या किसी और को ड्रॉप कर दिया जाएगा? अगला नंबर किसका होगा? यह गलत है। भारतीय क्रिकेटरों को ऐसे असुरक्षित माहौल में नहीं डालना चाहिए।' अश्विन का मानना है कि टी20 जैसे रिस्की फॉर्मेट में दिमाग का फ्री होना बहुत जरूरी है। सूर्यकुमार यादव के सेटअप से जाने के बाद संजू के साथ ऐसा बर्ताव करना उनके बैटिंग स्टाइल को बर्बाद कर सकता है। अश्विन ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर संजू चौथे टी20 में वापसी भी करते हैं, तो दोबारा टीम से बाहर होने का डर उनके दिमाग में रहेगा। ऐसे में संजू टीम के बजाय खुद की जगह बचाने के लिए खेलने लगेंगे, और आप उन्हें गलत भी नहीं ठहरा सकते। जब खिलाड़ी निडर होकर नहीं खेलेंगे, तो टीम इंडिया को ही इसका नुकसान उठाना पड़ेगा।

गोद में दुल्हन को उठाकर मंडप पहुंचा दूल्हा

बारिश भी नहीं रोक सकी शादी

सोशल मीडिया पर एक अनोखा नजारा वायरल हो रहा है. मंडप सजा हुआ है, शादी की रौनक है, दूल्हा-दुल्हन हैं और चारों तरफ पानी भरा हुआ है. सबसे खास बात यह है कि दूल्हा अपनी दुल्हन को गोद में उठाकर मंडप तक ले जाता नजर आ रहा है. यह दृश्य किसी फिल्मी सीन जैसा जरूर लगता है, लेकिन यह पूरी तरह हकीकत है.दरअसल, यह मामला मध्य प्रदेश के इंदौर का है.

मूसलाधार बारिश के कारण पूरा वेडिंग वेन्यू पानी में डूब गया. हालांकि हालात कितने भी मुश्किल क्यों न रहे हों, दूल्हा-दुल्हन ने शादी टालने के बजाय उसे यादगार बनाने का फैसला किया. यह शादी इंदौर के कैट रोड स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई थी. पिछले कई दिनों से

हो रही लगातार बारिश के कारण समारोह स्थल पर करीब डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया. शादी का मंडप भी पानी में डूब गया, लेकिन इसके बावजूद सभी रस्में तय समय पर ही पूरी की गईं. शादी का सबसे खास पल तब आया, जब दूल्हा वैभव अपनी दुल्हन पूर्वा को गोद में उठाकर पानी से भरे रास्ते से मंडप तक लेकर पहुंचा. इस दौरान वहां मौजूद मेहमान तालियां बजाते रहे.

खिलौने बताकर पार कराई गई खेप

चीन बना रहा अब नकली कंडोम

अगर आप यह सोचते हैं कि नकली सामान सिर्फ मोबाइल, दवाइयों या ब्रांडेड कपड़ों तक ही सीमित है, तो यह खबर आपको चौंका सकती है. यूरोप में 2 लाख से ज्यादा ऐसे नकली कंडोम पकड़े गए हैं, जो चीन से भेजे गए थे. सबसे हैरानी की बात यह है कि इन्हें खिलौना बताकर यूरोपीय संघ के सख्त सुरक्षा नियमों से बचाते हुए बाजार तक पहुंचाया गया. अधिकारियों का कहना है कि अगर ऐसे कंडोम लोगों तक पहुंचते हैं, तो इससे यौन संचारित संक्रमण (STI), अनचाही गर्भावस्था और स्वास्थ्य से जुड़े दूसरे गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं. यूरोप की धोखाधड़ी रोधी एजेंसी यानी यूरोपियन एंटी-फ्रॉड ऑफिस (OLAF)ने इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा किया है. जांच में पता

चला कि चीन से 2 लाख से ज्यादा नकली कंडोम यूरोप भेजे गए थे. इनकी कुल कीमत 2 लाख यूरो से भी ज्यादा बताई गई है. जांच में सामने आया कि इन कंडोम को आधिकारिक दस्तावेजों में 'टॉय' यानी खिलौना बताया गया था. ऐसा इसलिए किया गया ताकि यूरोपीय संघ के मेडिकल डिवाइस से जुड़े सख्त नियमों और गुणवत्ता जांच से बचा जा सके. इसी वजह से ये नकली उत्पाद बिना जरूरी टेस्टिंग के यूरोप पहुंच गए.

यूरोप में कंडोम पर होते हैं सख्त टेस्ट: यूरोप में कंडोम को मेडिकल डिवाइस माना जाता है. इसलिए बाजार में आने से पहले इन पर कई तरह की जांच होती है. इनमें बैक्टीरिया और दूसरे सूक्ष्म जीवों की जांच, शरीर के लिए सुरक्षित होने की पुष्टि, लीकेज टेस्ट, सही आकार, एक्सपायरी और लंबे समय तक सुरक्षित रहने जैसी कई गुणवत्ता जांच शामिल हैं. लेकिन चीन से आए इन नकली कंडोम ने इन सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया. यूरो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय आयोग के एंटी-फ्रॉड ऑफिस के महानिदेशक पेट्र क्लेमेंट ने कहा कि नकली कंडोम बेहद खतरनाक होते हैं.

चीन का यह वीडियो देखकर लोग सहम गए

एक तो बाढ़, ऊपर से 900 सांप!

भारी बारिश और बाढ़ के बाद चीन के एक स्नेक फार्म से करीब 900 सांप बाहर निकल गए. वायरल वीडियो में पानी के बीच सांप तैरते दिखाई दे रहे हैं, जबकि प्रशासन लोगों से सतर्क रहने की अपील कर रहा है.

सोचिए, बाढ़ का पानी चारों ओर फैला हो और उसी पानी में सैकड़ों सांप तैरते नजर आने लगें. चीन से सामने आई एक घटना ने लोगों को कुछ ऐसा ही सोचने पर मजबूर कर दिया है. भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में एक स्नेक ब्रीडिंग फार्म क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद करीब 900 सांप बाहर निकल गए. इनमें जहरीले कोबरा भी शामिल बताए जा रहे हैं. घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं.

यह मामला चीन के गुआंग्शी झुआंग स्वायत्त क्षेत्र के हेंगझोउ के देंगवेई गांव का है. यहां टाइफून मेयसाक से जुड़ी मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई. चीन की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,बाढ़ का पानी स्नेक ब्रीडिंग फार्म में घुस गया और फार्म को नुकसान पहुंचा. इसके बाद बड़ी संख्या में सांप आसपास के इलाके में फैल गए.

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, सांपों को पकड़ने के लिए 10 सदस्यीय टीम तैनात की गई है. टीम के पास फिशिंग नेट और स्टन गन जैसे उपकरण भी हैं, ताकि सांपों को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जा सके और लोगों तक पहुंचने से रोका जा सके.

फैला सांपों का आतंक

चीन के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ में फंसे कुछ ग्रामीणों को सांपों के काटने की घटनाओं का सामना करना पड़ा है. कुछ इलाकों में दवाइयों और चिकित्सा सुविधाओं की कमी की खबरें भी सामने आई हैं. इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. किसी ने इसे सबसे डरावना सपना बताया.

मुंबई की सड़क पर दिखा 'स्पाइडरमैन'

स्पाइडरमैन एक ऐसा काल्पनिक सुपरहीरो है, जो मुश्किल वक्त में लोगों की मदद के लिए सामने आता है. बचपन से ही इस किरदार से कई लोगों की यादें जुड़ी रही हैं. शायद हर किसी ने कभी न कभी यह जरूर सोचा होगा कि काश मुश्किल समय में स्पाइडरमैन सचमुच आ जाए. इस समय भी हालात कुछ ऐसे ही हैं. लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जलभराव है, ट्रैफिक जाम है और व्यवस्था चरमराई हुई नजर आ रही है. महाराष्ट्र के भिवंडी में एक युवक ने कुछ ऐसा ही किया.

'दादा' का पोस्टर देख ट्रोलिंग की बौछार

भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाने वाले सौरव गांगुली की जिंदगी अब बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी. उनकी बायोपिक 'दादा' का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है. पोस्टर में राजकुमार राव बिल्कुल सौरव गांगुली के सबसे आइकॉनिक अंदाज में नजर आ रहे हैं. हालांकि, पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर तारीफ के साथ-साथ ट्रोलिंग भी शुरू हो गई है. फिल्म के पहले पोस्टर में राजकुमार राव लॉर्ड्स की बालकनी में खड़े नजर आ रहे हैं. उन्होंने नीले रंग की क्रिकेट ट्राउजर पहनी हुई है और हाथ में टीम इंडिया की जर्सी लहराते दिखाई दे रहे हैं. ये वही ऐतिहासिक पल है, जब साल 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स की बालकनी में टी-शर्ट उतारकर लहराई थी. यही पल उनकी पहचान बन गया था.

दीवारों की गुप्त तिजोरियों से निकले करोड़ों के जेवर और नकदी

विजिलेंस की कार्रवाई में रिटायर्ड ARTO के घर मिला करोड़ों का खजाना

रिटायर्ड एआरटीओ ललित कुमार के अलीगंज स्थित घर पर विजिलेंस की छापेमारी में अब तक 35 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ है। घर से 20 करोड़ के सोना-चांदी, हीरे, नकदी और दस्तावेज मिले। आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच जारी है।

लखनऊ। आय से अधिक संपत्ति के मामले में रिटायर्ड एआरटीओ ललित कुमार के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई में अब तक करीब 35 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला है। विजिलेंस टीम को उनके अलीगंज स्थित आवास से भारी मात्रा में सोना, चांदी, हीरे जड़े आभूषण, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बरामद सोना-चांदी और आभूषणों का मूल्यांकन करीब 20 करोड़ रुपये किया गया है। यह कार्रवाई एक दिन की जांच का परिणाम नहीं है। इसकी शुरुआत करीब छह वर्ष पहले कानपुर में ललित कुमार की तैनाती के दौरान मिली शिकायत से हुई थी। विजिलेंस ने शिकायत के आधार पर विस्तृत जांच की। जांच पूरी होने के बावजूद लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शासन से कार्रवाई की मंजूरी नहीं मिल सकी। चुनाव संपन्न होने के बाद मंजूरी मिलने पर विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज किया और अदालत से सर्च वारंट हासिल कर 7 और 8 जुलाई को लखनऊ के अलीगंज स्थित आवास पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान टीम को मुख्य तिजोरियों के अलावा घर की दीवारों में बनी कई छोटी-छोटी इनबिल्ट तिजोरियों का भी पता चला। इन गुप्त तिजोरियों में नकदी, सोने के आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे गए थे। जांच अधिकारियों ने सभी तिजोरियां खुलवाकर उनमें रखे सामान का मिलान किया और बरामदगी की सूची तैयार की। अधिकारियों का कहना है कि इन छिपी हुई तिजोरियों की जानकारी केवल ललित कुमार को ही थी।छापेमारी के दौरान विजिलेंस टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती घर में रखी ऑटोमैटिक लॉक वाली तिजोरी को खोलने की रही। अधिकारियों ने कई बार ललित कुमार से पासवर्ड पूछा, लेकिन उन्होंने पासवर्ड याद नहीं होने की बात कही। इसके चलते सर्च ऑपरेशन करीब दो घंटे तक प्रभावित रहा। बाद में तकनीकी सहायता और आवश्यक प्रक्रिया अपनाकर तिजोरी खोली गई।तिजोरी खुलने पर उसके भीतर से सोने और चांदी के बिस्किट, चांदी की ईंटें तथा बड़ी मात्रा में हीरे जड़े आभूषण बरामद हुए। इसके बाद सरकार से मान्यता प्राप्त वैल्यूअर को बुलाकर सभी कीमती सामान का मूल्यांकन कराया गया। प्रारंभिक आकलन में बरामद सोना, चांदी और आभूषणों की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये आंकी गई। अधिकारियों के अनुसार, एक साथ इतनी बड़ी मात्रा में कीमती धातु और आभूषण मिलने से जांच टीम भी आश्चर्यचकित रह गई। विजिलेंस की तलाशी केवल अलमारियों और लॉकरों तक सीमित नहीं रही। टीम ने बेड, दीवारों, फॉल्स पैनल, फर्नीचर और स्टोर रूम सहित घर के हर हिस्से की गहन जांच की। इस दौरान कई ऐसे गुप्त स्थानों का पता चला, जहां नकदी और अन्य कीमती सामान छिपाकर रखा गया था। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी के दौरान लगातार नए-नए 'सीक्रेट स्पॉट' सामने आते रहे, जिसके कारण सर्च ऑपरेशन कई घंटों तक चला। बरामद सभी नकदी, आभूषण, कीमती धातुओं और दस्तावेजों की सूची तैयार कर उन्हें जब्त कर लिया गया है। विजिलेंस अब बरामद संपत्तियों के स्रोत, निवेश और उनसे जुड़े वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में अब तक करीब 35 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा होने की बात सामने आई है।

रातभर बरसे बादल, लखनऊ में आज भी भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ में रातभर झमाझम बारिश हुई। आज तड़के 5:08 बजे से फिर से बरसात शुरू हो गई। लगातार जारी रिमझिम बारिश के बीच बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे। मौसम विभाग ने आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि आज अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिन में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इस दौरान बादलों की गरज-चमक भी बरकरार रहेगी। गुरुवार को 24 घंटे के अंदर 27.2 मिमी बारिश हुई, जो इस सीजन में अब तक की सबसे ज्यादा बरसात है। इससे पहले बुधवार को 18.4 डिग्री बारिश रिकॉर्ड की गई।गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 1.9 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। अधिकतम आर्द्रता 94 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 74 फीसदी रही।

लखनऊ के फर्जी कॉल सेंटर का मास्टरमाइंड गिरफ्तार,

200 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

लखनऊ में इंटरनेशनल कॉल सेंटर की आड़ में 200 करोड़ की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का सरगना 10वीं तक भी नहीं पढ़ा है। उसने समिट बिल्डिंग के दो हिस्से करीब 3 करोड़ रुपए सालाना किराए पर लिए थे। 119 लोगों का स्टाफ रखा और यहां बैठकर विदेशियों को चूना लगाने लगा। एक साल के अंदर 200 करोड़ रुपए ठग लिए। 8 दिन पहले पुलिस ने छापा मारकर फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। 29 लड़कियों समेत पूरे स्टाफ को पकड़ लिया। छापेमारी से पहले सरगना विनीत वशिष्ठ, उसकी गर्लफ्रेंड रिंकी दास और उसका पार्टनर नायकर जय राज लखनऊ से भाग निकले। विनीत और जय ने अपने मोबाइल फेंक दिए, जबकि रिंकी ने केवल अपना सिम नदी में फेंका, क्योंकि उसका मोबाइल महंगा था। ADCP क्राइम किरण यादव ने बताया- तीनों कोलकाता में छिपे थे। रिंकी ने वहां नया सिम लिया और उसी फोन से रिसॉर्ट बुक किया। पुलिस ने उसे ट्रेस कर लिया। ADCP ने बताया कि 8 जुलाई को तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके कब्जे से एक आईपैड, दो एपल आईफोन और 5 हजार रुपए नकद बरामद

किए गए हैं। रिंकी पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। वह 9वीं तक पढ़ी है, जबकि जय राज 5वीं फेल है। नायकर जय राज ने पुलिस को बताया कि वह 5वीं में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ चुका था। वह विनीत को पिछले 10 साल से जानता है। दोनों एक कॉमन फ्रेंड के जरिए संपर्क में आए थे। रिंकी की मुलाकात काम के सिलसिले में विनीत से हुई थी। इसके बाद दोनों रिलेशनशिप में आ गए। रिंकी का कोलकाता में सैलून और 'टॉक्सिक' नाम से एक बार है। पूरे नेटवर्क को चलाने वाला चार्ल्स नाम का सरगना है। आज तक गिरोह का कोई भी सदस्य उससे आमने-सामने नहीं मिला है। वह सिर्फ वॉट्सएप कॉलिंग के जरिए विनीत के संपर्क में रहता था। वह केवल निर्देश देता था और हमारी टीम उन्हें फॉलो करती थी।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड एक लाख का इनामी आरोपी सचिन गिरफ्तार

प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी सचिन कुमार को बुधवार रात यूपी एसटीएफ और पीजीआई पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। सचिन पर एक लाख का इनाम घोषित था। आरोपी सचिन को किसान पथ ओवरब्रिज के नीचे डलौना के पास से पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। 27 मई को पीजीआई क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। शूटरों से संपर्क कराने वाला गंगाराम यादव भी 15 जून को पकड़ा गया था। वहीं, मुख्य शूटर संजय उर्फ संजीव 27 जून को पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद से उसका साथी सचिन फरार चल रहा था। एसटीएफ को बुधवार रात सूचना मिली कि सचिन किसी वकील से मिलने डलौना आने वाला है। सूचना पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सचिन ने बताया कि हत्या के समय वह बाइक चला रहा था, जबकि पीछे बैठे संजय ने संदीप सिंह पर पिस्टल से तीन गोलियां चलाई थीं। उसने बताया कि हत्या की साजिश दिनेश यादव ने रची थी, जिसकी संदीप सिंह से पुरानी रंजिश थी। दिनेश यादव के ड्राइवर मुकरबीन ने उसकी मुलाकात गंगाराम यादव से कराई। गंगाराम ने ही दोनों शूटरों को दिनेश यादव से मिलवाया, जहां संजय को एक लाख रुपए एडवांस दिए गए थे। बाकी रकम हत्या के बाद देने की बात हुई थी।

गलत इंजेक्शन लगाने से 9 माह की बच्ची की मौत

लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में 9 माह की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने और फर्जी बिल बनाकर शव नहीं देने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद बिना बिल का भुगतान कराए अस्पताल प्रबंधन ने बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया। मामला गोमती नगर स्थित वात्सल्य अस्पताल का है। आज, 9 जुलाई की सुबह करीब 5 बजे बाराबंकी के मसौली निवासी लाल बाबू की बच्ची अस्पताल में भर्ती हुई थी। सुबह करीब 11 बजे उसकी मौत हो गई। बाराबंकी के मसौली थाना निवासी लाल बाबू की 9 महीने की बेटी आस्था की 8 जुलाई की रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन बच्ची को लेकर लखनऊ पहुंचे। 9 जुलाई की सुबह करीब 5 बजे गोमतीनगर के वात्सल्य अस्पताल में भर्ती कराया। बच्ची के चाचा प्रवीण गुप्ता ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे आस्था को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उसे ICU में भर्ती कर इलाज शुरू किया।

नवजात मौत केस में दो नर्स हटाईं, नियमित स्टाफ की जिम्मेदारी पर चुप्पी

लखनऊ के लोकबंधु राजनारायण अस्पताल में पैदा होने के बाद फर्श पर गिरने से नवजात की मौत के मामले में दो संविदा स्टाफ नर्स पर दोष मढ़ा गया है। दोनों स्टाफ नर्स को नौकरी से हटाने की तैयारी है। जबकि, एक वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ को नोटिस देकर जवाब मांगा है। स्टाफ ने ऑनकाल महिला रोग विशेषज्ञ को फोन कर बुलाया। डॉक्टर नहीं आईं। न ही वार्ड में कोई नियमित स्टाफ नर्स की तैनाती थी। इन दोनों अहम बिन्दुओं पर जांच कमेटी ने पर्दा डाल दिया है। इस मामले में निदेशक का कहना है कि हम तो कार्रवाई की सिफारिश कर सकते हैं, बाकी काम उच्च अधिकारी का है। लोकबंधु अस्पताल में प्रसव के बाद शिशु की मौत के मामले की जांच सवालों के घेरे में है। अस्पताल में 6 गायनी यानी स्त्री-प्रसूति रोग विशेषज्ञ हैं। सात इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर हैं। करीब 20 नर्सिंग और ओटी स्टाफ है। इतनी लंबी-चौड़ी डॉक्टर-नर्स की फौज होने के बावजूद मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल में रविवार को घटना के दौरान क्या कोई नियमित स्टाफ नर्स तैनात था या नहीं? यदि तैनात था तो उसकी जिम्मेदारी क्यों तय नहीं की गई? वहीं नियमित डॉक्टर कहां थी। आरोप हैं कि फोन पर ऑनकाल डॉक्टर को स्टाफ ने सूचना दी। उसके बाद क्या ऑनकाल डॉक्टर ड्यूटी पर आईं? डॉक्टर की गैर मौजूदगी में किसने इलाज किया? इन बिन्दुओं के आधार पर न तो किसी नियमित स्टाफ पर कार्रवाई की गई न ही डॉक्टर पर। सिर्फ नोटिस देकर मामले को दबाने की कोशिश की गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 24 घंटे में शिशु की मौत के मामले की जांच पूरी करने के आदेश दिए थे। लोकबंधु अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण को दो पेज की रिपोर्ट सौंपी। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर दो स्टाफ नर्स को नौकरी से हटा दिया गया है।

वहीं, ऑनकाल ड्यूटी पर तैनात डॉ. चंद्रकांता को नोटिस देकर जवाब-तलब किया गया है। तीन बिन्दुओं पर डॉ. चंद्रकांता से जवाब मांगा गया है। इसमें डॉक्टर की मौजूदगी के बारे में भी जानकारी तलब की गई है।

उन्नाव में 'मिशन सेफ फ्यूचर' के तहत

स्कूल वाहनों पर परिवहन विभाग की सख्ती

उन्नाव में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को भी निजी स्कूल वाहनों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया। यात्रीकर अधिकारी विनय पाण्डेय और संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले के विभिन्न मार्गों पर स्कूल वैन और अन्य छात्र परिवहन वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस और नियमों के विपरीत संचालित वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग के अनुसार, 9 जुलाई तक इस अभियान के तहत कुल 35 स्कूल वाहनों को निरुद्ध किया जा चुका है, जबकि विभिन्न अनियमितताओं के चलते 55 वाहनों का चालान किया गया है। गुरुवार सुबह से दोपहर तक भी कई स्थानों पर जांच जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान कई निजी स्कूल वैन बिना वैध परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र और आवश्यक सुरक्षा मानकों के संचालित होती मिलीं। ऐसे वाहनों को तत्काल रोककर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार सख्ती जारी रहेगी। यात्रीकर अधिकारी विनय पाण्डेय और संजीव कुमार सिंह ने सभी स्कूल संचालकों और वाहन स्वामियों से अपील की है। उन्होंने कहा कि वे अपने वाहनों को स्कूल वाहन संबंधी निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार कराएं। इसमें वैध परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर और अन्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने अभिभावकों से भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक रहने का आग्रह किया है। यदि कोई वाहन बिना आवश्यक मानकों के बच्चों का परिवहन करता दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल परिवहन विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। परिवहन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई नहीं है, बल्कि इसे लगातार चलाया जाएगा। जिले में समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर स्कूल वाहनों की जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य स्कूली बच्चों को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराना और सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को न्यूनतम करना है।

सुबह की बारिश ने दी गर्मी से राहत, उन्नाव में मौसम हुआ सुहावना

उन्नाव जिले में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह करीब पांच बजे घने बादल छा गए और शुक्लागंज, उन्नाव शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कई स्थानों पर यह बारिश देर तक जारी रही, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लगातार पड़ रही उमस से लोगों को राहत मिली। तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। बारिश के दौरान तेज हवाएं भी चलती रहीं। एहतियात के तौर पर, बिजली विभाग ने कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी। इसका उद्देश्य तेज हवा और बारिश के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना को रोकना था। इसके चलते सुबह के समय कई मोहल्लों और गांवों में लोगों को कुछ देर के लिए बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। बारिश के दौरान हवाएं लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी और उमस के बाद इस मौसम परिवर्तन से लोगों ने काफी राहत महसूस की।

पीएचसी कालूखेड़ा के औचक निरीक्षण में मिलीं कई खामियां

उन्नाव। पुरवा के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमेश श्रीवास्तव ने गुरुवार दोपहर असोहा विकासखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कालूखेड़ा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में कई गंभीर कमियां सामने आईं। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अलीफा अल्वी निरीक्षण के समय अनुपस्थित मिलीं। निरीक्षण में पता चला कि अस्पताल में कुल चार अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें तीन स्थायी और एक अस्थायी कर्मचारी शामिल हैं। एसडीएम ने ओपीडी पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें 9 जुलाई को 24 मरीजों के नाम दर्ज थे। हालांकि, पंजिका में मरीजों के मोबाइल नंबर अंकित नहीं पाए गए। इस पर एसडीएम ने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मरीजों के नाम, पते के साथ मोबाइल नंबर भी अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाएं। ड्यूटी रोस्टर के संबंध में पूछने पर कर्मचारियों ने बताया कि स्टाफ की कमी के कारण सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन ड्यूटी करनी पड़ती है। रविवार के अवकाश के स्थान पर शुक्रवार को ड्यूटी समायोजित की जाती है। एसडीएम ने इस व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। कई स्थानों पर फर्श टूटी हुई पाई गई, जिससे कीड़े निकलने और संक्रमण फैलने का खतरा बताया गया। अस्पताल में प्रकाश व्यवस्था भी बेहद खराब थी। कर्मचारियों ने बताया कि परिसर के पास विद्युत ट्रांसफार्मर न होने से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रहती है। अग्नि सुरक्षा के लिहाज से भी अस्पताल में बड़ी कमी सामने आई, जहां कोई भी अग्निशमन यंत्र उपलब्ध नहीं था। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी लेने पर कर्मचारियों ने विभागीय पोर्टल के माध्यम से बताया कि अस्पताल में 152 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं, जबकि 52 प्रकार की आवश्यक दवाएं स्टॉक में नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में मरीजों के लिए शुद्ध पेयजल की भी समुचित व्यवस्था नहीं थी। परिसर में कहीं भी आरओ सिस्टम स्थापित नहीं पाया गया।

उन्नाव में जर्जर भवनों का सर्वे तेज, 70 फीसदी कार्य पूरा

उन्नाव नगर पालिका परिषद ने बारिश के मौसम में जर्जर भवनों से होने वाले हादसों को रोकने के लिए अपना सर्वे अभियान तेज कर दिया है। अब तक जिले के 28 में से 21 वार्डों में जर्जर भवनों की पहचान का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यह अभियान 2 जुलाई को नवीन यातायात पुल स्थित सीताराम कॉलोनी में एक जर्जर मकान का छज्जा गिरने और दो लोगों के घायल होने के बाद शुरू किया गया था। घटना के बाद नगर पालिका प्रशासन ने जिले के सभी वार्डों में खतरनाक भवनों की पहचान के लिए एक विशेष सर्वे शुरू कराया था। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि 3 जुलाई को जर्जर भवनों के सर्वे के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित टीम लगातार वार्डवार निरीक्षण कर पुराने मकानों, व्यावसायिक भवनों और लंबे समय से बंद पड़े भवनों की स्थिति का आकलन कर रही है। अब तक पालिका क्षेत्र के 28 वार्डों में से 21 वार्डों का सर्वे पूरा हो चुका है, जबकि शेष सात वार्डों में यह कार्य तेजी से जारी है। कुल मिलाकर, लगभग 70 प्रतिशत सर्वे कार्य संपन्न हो चुका है। सर्वे के दौरान भवनों की दीवारों में आई दरारें, झुके हुए हिस्से, कमजोर छत, जर्जर छज्जे और अन्य संरचनात्मक कमियों की बारीकी से जांच की जा रही है। जिन भवनों से आमजन को खतरा होने की आशंका है, उन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है। विशेष रूप से मुख्य मार्गों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास स्थित खतरनाक भवनों को प्राथमिकता दी जा रही है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट तैयार होने के बाद जर्जर भवनों की सूची सार्वजनिक की जाएगी। साथ ही, संबंधित भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं भवन के जर्जर हिस्से को हटाने या सुरक्षित कराने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि तय अवधि में भवन स्वामी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।नगर पालिका ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि यदि उनके आसपास कोई भवन जर्जर अवस्था में है या उसके गिरने की आशंका है तो इसकी सूचना तत्काल नगर पालिका को दें। बरसात के दौरान ऐसे भवनों के पास अनावश्यक रूप से खड़े न हों और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाकर जनहानि को रोका जा सके।

मवेशियों के परिवहन को लेकर दो पक्ष आमने-सामने, मौके पर पहुंची पुलिस

कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गदनखेड़ा बाईपास पर गुरुवार दोपहर उस समय हंगामा हो गया, जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मवेशियों से भरे एक कंटेनर को रोक लिया। यह घटना दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है। कंटेनर रोके जाने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और पशु सप्लायर पक्ष के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। इससे मौके पर काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हाईवे पर अचानक कंटेनर रुक जाने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। राहगीरों और वाहन चालकों को जाम के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी सी.के. मिश्रा पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और भीड़ को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने मवेशियों से भरे कंटेनर सहित संबंधित वाहनों को अपने कब्जे में लेकर चौकी पहुंचाया। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों से अलग-अलग पूछताछ शुरू की। पुलिस कंटेनर में लदे मवेशियों से जुड़े दस्तावेजों और उनके परिवहन संबंधी अभिलेखों की गहन जांच कर रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पशुओं का परिवहन नियमानुसार किया जा रहा था या नहीं।

संदिग्ध युवक को लोगों ने दबोचा, पुलिस ने हिरासत में लेकर शुरू की पूछताछ

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चम्पापुरवा मंशुखखेड़ा मोहल्ले में गुरुवार देर रात चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। घटना रात करीब साढ़े 11 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, देर रात एक संदिग्ध युवक मोहल्ले में घूमता दिखा। उसके व्यवहार पर शक होने पर लोगों ने उसे घेर लिया। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद उसे पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। इसी बीच, संदिग्ध युवक के परिजन भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि परिजन सरिया और डंडे लेकर आए और युवक को छुड़ाने का प्रयास करते हुए हंगामा करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। माहौल बिगड़ता देख डायल-112 पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने भीड़ को शांत कराया और संदिग्ध युवक को अपनी अभिरक्षा में लेकर आगे की पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। पुलिस के समय पर पहुंचने से किसी बड़े विवाद की स्थिति टल गई। घटना के बाद कुछ देर तक क्षेत्र में लोगों की भीड़ लगी रही। पुलिस का कहना है कि युवक से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि वह चोरी की किसी घटना में शामिल था या नहीं। साथ ही, घटना के दौरान हुए हंगामे और मारपीट की सूचना के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी कार्रवाई

विजिलेंस टीम को डीजीपी का इनाम

विभाग बैंक लेनदेन, अचल संपत्तियों, निवेश और अन्य वित्तीय स्रोतों की भी पड़ताल कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि क्या इस मामले में किसी अन्य अधिकारी या कारोबारी की भूमिका रही है। यदि ऐसे साक्ष्य मिलते हैं तो कार्रवाई का दायरा और व्यापक हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस विभाग ने एक बड़ी और चर्चित कार्रवाई को अंजाम दिया है। परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी ललित कुमार के विभिन्न ठिकानों पर की गई छापेमारी में आय से अधिक संपत्ति का बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के दौरान करीब 13 किलोग्राम सोना, 9 किलोग्राम चांदी सहित बड़ी मात्रा में कीमती सामान और अन्य संपत्तियां मिलने से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई की सफलता पर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कृष्ण ने विजिलेंस टीम की सराहना करते हुए उन्हें एक लाख रुपये की शाबाशी राशि देने की घोषणा की है। सूत्रों के अनुसार, विजिलेंस विभाग को लंबे समय से सेवानिवृत्त परिवहन अधिकारी ललित कुमार की आय से अधिक संपत्ति की शिकायतें मिल रही थीं। प्रारंभिक जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनके आधार पर विशेष टीम गठित कर उनके विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दस्तावेजों, बैंक खातों, निवेश से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की भी गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार, विजिलेंस विभाग को लंबे समय से सेवानिवृत्त परिवहन अधिकारी ललित कुमार की आय से अधिक संपत्ति की शिकायतें मिल रही थीं। प्रारंभिक जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनके आधार पर विशेष टीम गठित कर उनके विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दस्तावेजों, बैंक खातों, निवेश से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की भी गहन जांच की। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी के दौरान लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी बरामद हुई है। इतनी बड़ी मात्रा में कीमती धातुओं की बरामदगी ने जांच एजेंसियों को भी हैरान कर दिया है। इसके अलावा कई अन्य बहुमूल्य सामान, निवेश संबंधी दस्तावेज और संपत्ति के कागजात भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों का मानना है कि यदि बरामद सोने और चांदी के मौजूदा बाजार मूल्य के साथ अन्य संपत्तियों का आकलन किया जाए तो कुल संपत्ति करोड़ों रुपये में हो सकती है। फिलहाल विभाग सभी दस्तावेजों का मिलान कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने में जुटा है। इस सफल कार्रवाई के बाद उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने विजिलेंस टीम की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ ईमानदारी और पूरी निष्ठा से काम करने वाले अधिकारियों का मनोबल बढ़ाना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से उन्होंने कार्रवाई में शामिल पूरी टीम को एक लाख रुपये की शाबाशी राशि देने की घोषणा की। DGP ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन अधिकारियों ने पूरी पारदर्शिता और साहस के साथ इस कार्रवाई को सफल बनाया है, वे निश्चित रूप से सम्मान के पात्र हैं। विजिलेंस विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई अभी शुरुआती चरण में है। बरामद दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की जाएगी। यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद भीषण बारिश के कहर ने एक मासूम की जान ले ली

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद भीषण बारिश के कहर ने एक मासूम की जान ले ली। घटना विजयनगर इलाके की है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को भारी बारिश के कारण जलभराव में बच्ची डूब गई। इससे तीन साल की मासूम की जान चली गई। बच्ची के सड़क पर पानी में डूबने के बाद परिजन उसे लेकर तत्काल प्राइवेट अस्पताल में पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में मातम पसर गया है। गाजियाबाद में भीषण बारिश का असर देखने को मिल रहा है। भारी बारिश के कारण गलियां जलमग्न हो गई हैं। घरों में भी बारिश का पानी घुसा हुआ है। विजयनगर की गली में दोपहर बाद तक करीब एक फीट से अधिक पानी भरा हुआ था। इसी दौरान दीप्ति अचानक घर से बाहर गली में आ गई। वहां जमा पानी में वह डूब गई। पुलिस का मानना है कि बच्ची गली की नाली की तरफ चली होगी, वहां वह गहरे पानी में चली गई। जलभराव में ही बच्ची की मौत की बात कही जा रही है। भारी बारिश को देखते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने 9 जुलाई को कक्षा 1 से 12 तक सभी बोर्ड के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी। भारी बारिश के बाद जलभराव को देखते हुए दीप्ति के घर से बाहर गली में आने से मौत का मामला सामने आया है। इस मामले में विजयनगर के एसएचओ धर्मपाल का कहना है कि बच्ची की मौत की पानी में डूबने से हुई है। पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। गाजियाबाद में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। मानसून का असर लगातार गहराया हुआ है। इसको देखते हुए लोगों से इस मौसम में अधिक सतर्क और सावधान रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग के अलर्ट के आधार पर प्रशासन की ओर से भी लोगों से अपील जारी की गई है।

वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम सदस्य और दो मुस्लिम महिलाएं शामिल होंगी

मध्य प्रदेश के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम सदस्य और दो मुस्लिम महिलाएं शामिल होंगी। जल्द ही नए बोर्ड का गठन किया जाएगा। सुन्नी वक्फ बोर्ड में 11 लोग होंगे। इनमें एक चेयरमैन और दस मेम्बर होंगे। इन 11 सदस्यों में दो गैर मुस्लिम सदस्य और दो मुस्लिम महिलाएं होंगी। इसके अलावा पसमांदा मुसलमानों को भी बोर्ड में शामिल किया जाएगा। सरकार का कहना है कि नए बोर्ड के गठन के बाद वक्फ बोर्ड में ज्यादा पारदर्शिता आएगी। यूपी के सुन्नी वक्फ बोर्ड का कार्यकाल मार्च में पूरा हो चुका है और शिया वक्फ बोर्ड का कार्यकाल अक्टूबर में पूरा हो जाएगा। ऐसे में नए बोर्ड का गठन करने के लिए सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश पहला राज्य है, जहां वक्फ बोर्ड में दो हिंदू सदस्य हैं। अब उत्तर प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया जाएगा। यूपी में कुल 2,32,547 वक्फ प्रॉपर्टी हैं। सुन्नी वक्फ बोर्ड में 2,17,161 और शिया वक्फ बोर्ड में 15,386 प्रॉपर्टी हैं। उम्मीद पोर्टल पर अब तक से 92000 से ज्यादा वक्फ संपत्तियां दर्ज की जा चुकी हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने नए वक्फ बोर्ड के गठन को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने इसे राम मंदिर में हुई चंदा चोरी से जोड़ते हुए कहा कि इन लोगों की कोशिश सिर्फ वक्फ की जमीन पर कब्जा करने की है। उन्होंने कहा, "राम मंदिर ट्रस्ट में जो लोग हैं, वो चढ़ावे में चोरी करने वाले लोग हैं। ये वक्फ बोर्ड में कैसे सही काम करेंगे। इनका उद्देश्य सिर्फ वक्फ की जमीन पर कब्जा करने का है। मध्यप्रदेश में वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर दो हिन्दू सदस्यों को शामिल किए जाने को कांग्रेस नेताओं ने अनुचित करार दिया है। उनका कहना है कि वे इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि वक्फ अधिनियम से जुड़ा मामला पहले से ही उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है।

योगी ने बांदा और बबेरू विधानसभा क्षेत्रों में 710 करोड़ रुपये की लागत वाली योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनकी सरकारों ने बुंदेलखंड को डकैत और स्थानीय युवाओं को तमंचे पकड़ा दिये थे, मगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने मूलभूत ढांचे, रोजगार और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिये इस पिछड़े इलाके की तस्वीर ही बदल दी है। योगी ने बांदा और बबेरू विधानसभा क्षेत्रों में 710 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन/शिलान्यास और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो बुंदेलखंड कभी पलायन, सूखे और खराब कानून-व्यवस्था के लिए जाना जाता था, वह भाजपा की 'डबल-इंजन सरकार' के राज में यातायात सम्पर्क, निवेश और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज बुंदेलखंड के पास अपना एक्सप्रेस वे है और यहां डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर बन रहा है... लेकिन याद करिये, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोगों ने यहां डकैत दिए थे। नौजवानों को नौकरी तो नहीं दी लेकिन उनके हाथ में तमंचे पकड़ा दिये थे और हमारी सरकार अब बुंदेलखंड को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का एक हब बना रही है।' उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के माध्यम से सरकार ब्रह्मोस जैसी मिसाइल बनाती है और वह मिसाइल जब दुश्मन पर दागी जाती है तो पाकिस्तान भी 'बाप-बाप' करके चिल्लाता दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि यह भारत का शौर्य है, यह भारत का पराक्रम है, भारत के बहादुर जवानों के लिए भारत की विजय का शंखनाद है और बुंदेलखंड उसका केंद्र बिंदु बन रहा है।